RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 184
दि. 05.11.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'बिहार में घूम रहे दो राजकुमार, दिल्लीवाला कर रहा छठी मइया का अपमान', जीत को लेकर आश्वस्त पीएम मोदी का विपक्ष पर बड़ा हमला

पीएम मोदी ने बीजेपी की महिलाकार्यकताओं से बातचीत करते हुए विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है।

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आज पहले चरण का चुनाव प्रचार खत्म हो गया है और पहले चरण में 121 सीटों पर वोटिंग होनी है। ऐसे में चुनाव प्रचार के आखिरी घंटों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी के 'मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत महिला कार्यकताओं से लंबी बातचीत की। उन्होंने कहा कि वे इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं, कि बिहार में एनडीए की एक बार फिर बड़ी जीत होने वाली है।

बीजेपी की महिला कार्यकताओं से बातचीत के बीच ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छठ मइया की जिक्र कर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में दो राजकुमार घूम रहे हैं, जिनमें से एक दिल्ली का है। बता दें कि पीएम मोदी दिल्ली वाला शब्द सांकेतिक रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए इस्तेमाल किया, जबकि दूसरा राजकुमार आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को बताया है।

छठी मइया का जिक्र कर बोला राहुल पर हमला

पीएम मोदी ने कहा कि दिल्लीवाला राजकुमार बिहार में घूमकर छठी मइया का अपमान कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार की एक रैली में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी छठ पूजा के नाम पर दिल्ली में ड्रामा कर रहे हैं। इसके बाद बीजेपी और पूरा एनडीए का कुनबा राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमलावर हो गया था। अब पीएम मोदी ने कहा है कि बिहार के मतदाताओं को राज्य के लोगों की भावनाओं का अपमान करने वालों

को करारा जवाब देना चाहिए।

जीत को लेकर आश्वस्त प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि चुनावी रैलियों में रिकॉर्ड संख्या में महिलाएं शामिल हो रही हैं और नारे लगा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात पर कोई संदेह नहीं कि बिहार में राजग की प्रचंड जीत होगी। इस दौरान पीएम मोदी ने महिला कार्यकताओं से अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

एनडीए को मिले महिलाओं का वोट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला कार्यकताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि बिहार चुनाव में 'जंगल राज' के समर्थकों को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार महिलाओं के जीवन को आसान बनाने और उनका सशक्तीकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी महिलाओं के वोट एनडीए को मिलें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बेमौसम बारिश से प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के बाद गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक कर स्थिति की समीक्षा की

गांधीनगर, 04 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बेमौसम बारिश से प्रभावित जिलों का सोमवार को दौरा किया। उन्होंने प्रभावित गाँवों के किसानों से स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने सूरत तथा कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने भावनगर का दौरा कर किसानों की फसलों को हुए नुकसान का विवरण प्राप्त किया। इन प्रत्यक्ष दौरों के बाद मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित समग्र स्थिति की समीक्षा की। इस बैठक में कृषि राज्य मंत्री श्री रमेशभाई कटारा, मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, राजस्व विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. जयंती रवि, कृषि विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा, वित्त विभाग के प्रधान सचिव डॉ. टी. नटराजन, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल मोरबी में दादा भगवान के 118वें जयंती महोत्सव में सहभागी हुए

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने महोत्सव के दूसरे दिन सीमंधर स्वामी और दादा भगवान की आरती उतारी और सभी के कल्याण की कामना की

गांधीनगर, 04 नवम्बर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल मंगलवार को मोरबी में आयोजित पूज्य दादा भगवान के 118वें जयंती महोत्सव में सहभागी हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सत्संग-प्रार्थना में उपस्थित रहकर आत्मज्ञानी श्री दीपकभाई द्वारा दिए गए आत्मज्ञान के प्रवचन का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री और श्री दीपकभाई ने इस अवसर पर सीमंधर स्वामी और दादा भगवान की पूजा-अर्चना की और आरती उतारकर सभी के कल्याण की कामना की।

उल्लेखनीय है कि मोरबी में आगामी 09 नवंबर तक दादा भगवान के 118वें जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। इस महोत्सव का शुभारंभ 03 नवंबर को हुआ था।

इस आयोजन के दूसरे दिन, मंगलवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में सत्संग का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूजा,

आरती और दर्शन का लाभ लिया और समग्र जगत के जीवमात्र के कल्याण की कामना की। उन्होंने प्रार्थना की कि प्रत्येक को सच्चे सुख की प्राप्ति हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आत्मज्ञानी श्री दीपकभाई को माला पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया। श्री दीपकभाई ने मुख्मयंत्री को दादा भगवान के जीवन पर आधारित पुस्तक 'ज्ञानी पुरुष, भाग-6' भेंट की।

आत्मज्ञानी श्री दीपकभाई ने इस सत्संग में बिना आत्मा का शरीर, कर्म, कर्ता का भाव, दुनिया के दुखों से मुक्ति, शुद्ध आत्मा, मानव और आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तथा प्रत्येक क्षण में जागृति की भावना के विकसित होने जैसी ज्ञान की प्रेरक बातें कहीं।

इस अवसर पर श्रम, रोजगार और कौशल विकास राज्य मंत्री श्री कांतिभाई अमृतिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हंसाबेन पारेघी, राज्य सभा सांसद श्री केसरीदेव सिंह झाला, विधायक श्री दुर्लभजीभाई देथरिया, मेघजीभाई चावड़ा, पूर्व मंत्री श्री ब्रिजेशभाई मेरजा, पूर्व सांसद श्री मोहनभाई कुंडारिया, जिला कलेक्टर श्री के.बी. झवेरी, मोरबी महानगर पालिका आयुक्त श्री स्वप्निल खरे, जिला पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश पटेल, अग्रणी श्री जयंतीभाई राजकोटिया, श्री दादा भगवान के अनुयायी और मोरबीवासी विशाल संख्या में उपस्थित रहे।

दरभंगा में राहुल-तेजस्वी पर अमित शाह का तंज, 'घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा निकालते हैं'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अब बेहद आक्रामक दौर पर पहुंच गया है। सभी दलों के प्रमुख नेता विरोधियों पर जमकर जुबानी तंज चला रहे हैं। दरभंगा में एनडीए के लिए चुनावी प्रचार करने पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने वोट अधिकार यात्रा पर हमला बोलते हुए कहा कि यह घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली गई यात्रा थी। उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर छठी मैया के अपमान का भी आरोप लगाया।

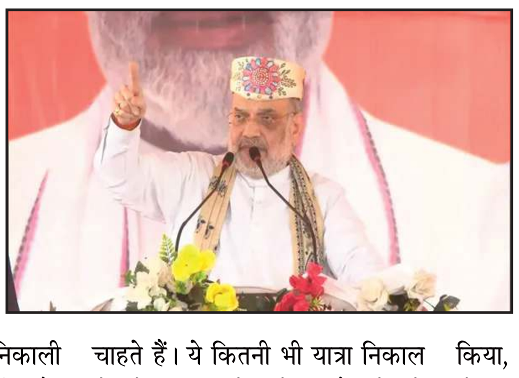

गृहमंत्री ने कहा कि 2.5 महीने पहले राहुल बाबा यहां आए थे और एक यात्रा निकाली थी। यह घुसपैठिया बचाओ यात्रा थी। उन्होंने कहा, 'लालू और राहुल घुसपैठियों को बचाना चाहते हैं। ये कितनी भी यात्रा निकाल लें, लेकिन हम देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकालने का काम करेंगें।' उन्होंने एनडीए को भारी बहुमत से जिताने की अपील करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में बिहार बड़ी सफलता हासिल करेगा।

गृहमंत्री अमित शाह ने लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि बिहार इनके राज में अंधकार के गर्त में चला गया था। उन्होंने पीएम मोदी और नीतीश कुमार की साफ छवि की तारीफ करते हुए लालू यादव पर तीखा हमला बोला। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा,' लालू जी ने भी काफी कुछ किया है। चारा घोटाला किया, लैंड फॉर जॉब स्कैम किया, होटल बेचने का घोटाला, अलकतरा घोटाला किया, बाढ़ राहत घोटाला किया, भर्ती घोटाला किया और अइ एक्सपोर्ट का घोटाला किया।'

दिल्ली में सांस पर आफत, किस स्तर पर पहुंचा एयर क्वालिटी इंडेक्स? सीएम रेखा ने बुलाई आपात बैठक

दिल्ली की हवा एक बार फिर खतरनाक स्तर के करीब पहुंच गई है। राजधानी की सड़कों पर धुंध और धूल की परत छाई हुई है, जिससे लोगों का सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है।

सुबह के वक्त हवा में प्रदूषण की गंध और आंखों में जलन साफ महसूस की जा सकती है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को आपात बैठक बुलाई। इसमें राजधानी के कई प्रदूषण हॉटस्पॉट्स पर तुरंत नियंत्रण उपायों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'एनडीए की जीत तो पक्की है', बिहार की महिलाओं से बोले मोदी, 'जुलूस निकालकर लोगों को वोट देने ले जाइए'

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार (04 नवंबर) को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत बिहार की महिला कार्यकताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की महिलाओं ने इस चुनाव को उत्सव में बदल दिया है। बिहार में एनडीए की जीत तय है, बहुत भारी जीत होगी।

पीएम मोदी ने कहा, "बिहार के लोग अब पूरी तरह तय कर चुके हैं कि इस बार जंगलराज वालों को करारी हार देंगे। जो लोग बिहार को पिछड़ेपन में डुबोना चाहते थे, उन्हें जनता अब जवाब देने वाली है। NDA के कामों ने गरीब, दलित, पिछड़े, महादलित सबके जीवन में बदलाव लाया है।" कार्यक्रम के दौरान मोदी ने महिला कार्यकताओं से कहा, "अब वक्त है हर घर तक पहुंचने का। बूथ ही जीत की नींव है। जुलूस निकालिए, लोगों को मतदान केंद्र तक लेकर जाइए। उन्हें बताइए कि किसने उनके जीवन में उजाला किया है।" उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की महिलाओं में इस बार जो उत्साह है, वह अपने आप में संदेश है कि ठळ्ळ की लहर कितनी मजबूत है। पीएम मोदी ने कहा, "जंगलराज के दौर में बेटियों के लिए घर से निकलना भी मुश्किल था, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज बिहार की बेटियां अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और दफ्तरों में रात तक काम कर रही हैं। वे निडर हैं, आत्मनिर्भर हैं और बिहार की नई ताकत बन चुकी हैं।" उन्होंने कहा कि बिहार की महिलाएं अब जंगलराज की वापसी नहीं होने देंगी। वे झूठ और भ्रम फैलाने वालों को पहचान चुकी हैं। उन्होंने तय कर लिया है कि बिहार को पीछे नहीं जाने देंगी। बेगूसराय से महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉक्टर रेखा ने जब पीएम से कहा कि महिलाओं में जबरदस्त उत्साह है, तो मोदी मुस्कुराते हुए बोले, "डबल इंजन की सरकार ने जो विकास किया है, उसने हर घर में भरोसा जगाया है।

'थैंक्यू डॉक्टर साहब', जयशंकर ने भूकंप के बाद तालिबान के विदेश मंत्री से की बात, अफगान बोले- 'आपने फिर दिल जीत लिया'

(जीएनएस)।

अफगानिस्तान में भूकंप के बाद भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की. उन्हें हर तरह की मदद का भरोसा दिया. भारत ने तुरंत राहत सामग्री भी भेज दी. यह सब अफगानिस्तान की जनता के दिलों को छू गया. उन्होंने सोशल मीडिया में भारत की दोस्ती और मदद जमकर तारीफ की. कॉल पर अफगान नागरिकों का उमड़ा प्यार

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से बात की तो आए जबरदस्त रिएक्शन

अफगानिस्तान में सोमवार को आए भूकंप के बाद भारत ने एक बार फिर अपनी मानवता और दोस्ती दिखाई. विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने तुरंत बाद तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की और भूकंप में हुई जानहानि पर संवेदना व्यक्त की. साथ ही भारत की ओर से हर संभव मदद करने का भरोसा दिया. जयशंकर ने इस बातचीत की जानकारी खुद अपने एक्स अकाउंट पर शेयर की. लेकिन उनकी इस बातचीत ने अफगानियों का दिल छू लिया. सोशल मीडिया पर उन्हें थैंक्यू कहने वालों की कतार लग गई. कई लोगों ने लिखा, थैंक्यू डॉक्टर साहब, आपने फिर दिल जीत लिया. कई अफगानों ने भारतीय तिरंगे और अफगान झंडे के साथ दिल वाले इमोजी शेयर किए और लिखा कि भारत ही वह देश है जिस

पर आज भी भरोसा किया जा सकता है.

दरअसल, अफगानिस्तान में फिर 6 की तीव्रता से ज्यादा का भूकंप आया है, जिसमें कई लोग मारे गए और तमाम नुकसान हुआ. इसके तुरंत बाद जयशंकर ने मुत्ताकी को फोन मिला दिया. जयशंकर ने बातचीत के बारे में जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा, आज दोपहर अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से बात की. बल्ख, समनगन और बगलान प्रांतों में आए भूकंप में हुई जनहानि पर संवेदना जताई. भारत से राहत सामग्री आज भेजी जा रही है. जल्द ही दवाओं की अतिरिक्त खेप भी रवाना होगी.

जयशंकर ने लिखा, उनकी पिछली भारत यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति पर चर्चा की. भारत और अफगानिस्तान के लोगों के बीच बढ़ते संपर्क का स्वागत किया. साथ ही क्षेत्रीय स्थिति पर विचारों के आदान-प्रदान की सराहना की.

औरंगाबाद जिले के कुटुंबा चुनावी रैली में गरजे राहुल गांधी, बोले- मोदी सरकार पूंजीपतियों की, किसानों की नहीं

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रचार अभियान के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। मंगलवार, 4 नवंबर को औरंगाबाद जिले के कुटुंबा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने ठळ्ळ पर जमकर हमला बोला है।

राहुल ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीब किसानों की जमीन छीनकर उद्योगपति गौतम अडानी को सौंप दी। राहुल गांधी के इस बयान से बिहार में चुनावी माहौल और भी गर्म हो गया है।

"गरीब किसानों की जमीन हड़पी गई" - राहुल गांधी

राहुल गांधी ने रैली में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आपसे यह नहीं बताया कि गरीब किसानों से जमीन छीनी गई और उसे अडानी को मात्र 1 रुपये प्रति एकड़ के भाव पर दे दिया गया। अमित शाह जी कहते हैं कि बिहार में फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन नहीं है, लेकिन अडानी जी को देने के लिए जमीन कैसे मिल गई? राहुल गांधी के इस बयान ने बीजेपी और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव को और तेज कर दिया है।

"मोदी-शाह की सरकार सिर्फ अमीरों की है"

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर कॉर्पोरेट परस्त नीतियों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार केवल बड़े पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है, जबकि किसान,

मजदूर और गरीबों के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा "मोदी-शाह की सरकार गरीबों की नहीं, अडानी-अंबानी की सरकार है। किसानों की जमीन, युवाओं का रोजगार और जनता का हक - सब कॉर्पोरेट घरानों को सौंप दिया गया है।"

राहुल गांधी ने बिहार के विकास को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में उद्योगों के लिए जमीन नहीं है, तो फिर सरकार बताएं कि बिहार के युवाओं के लिए रोजगार कहां से आएगा। बिहार के युवाओं को काम नहीं मिल रहा है, किसान बदहाल हैं, और सरकार चुनाव से पहले सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है।

कांग्रेस का पलटवार, भाजपा का जवाब

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी के इस बयान को "सच्चाई की बात" बताया है और कहा कि पार्टी सत्ता में आने के बाद किसानों की जमीन सुरक्षा कानून को मजबूत करेगी।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री का गठबंधन पर तीखा हमला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के लिए जारी एनडीए के संकल्प पत्र की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, एनडीए का संकल्प-पत्र आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के हमारे विजन को स्पष्ट रूप से सामने लाता है। इसमें किसान भाई-बहनों, युवाओं और माताओं-बहनों के साथ ही राज्य के मेरे सभी परिवार जनों के जीवन को और आसान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दिखाई देगी। पीएम ने कहा बिहार के चौतरफा विकास के लिए राज्य की डबल इंजन सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। राज्य के बदलावों का साक्षी बना है। इसमें और तेजी लाकर सुशासन को जन-जन की समृद्धि का आधार बनाने के लिए वृतसंकल्प हैं। उम्मीद है कि इन प्रयासों को जनता का समर्थन मिलेगा। वहीं प्रधानमंत्री ने गत गुरुवार को मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर चीनी मिल मैदान और छपरा हवाई अड्डे मैदान में सभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रोस-राजद गठबंधन पांच 'क' कट्टा, व्रूरता, कटुता, वुशासन और करप्शन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पांच 'क' राजद के जंगलराज की पहचान है। राजग-कांग्रोस का घोषणा पत्र वास्तव में एक रेट चार्ट है। उनके वादे रंगदारी, फिरौती, भ्रष्टाचार, लूट के हैं। उन्होंने चिता जताते हुए कहा कि राजग की रैलियों में किस तरह के गाने बजाए जा रहे हैं। इनमें, कट्टा, दुनाली और बहन-बेटियों के अपहरण की बात है।

मोदी ने मुजफ्फपुर और छपरा में अपनी रैलियों में यह दावा किया कि राज्य में राजद शासन के दौरान 35,000-40,000 अपहरण हुए और गुंडे वाहन शोरूम लूटते थे। उनका इशारा पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सबसे बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी की ओर था। मीसा वर्तमान में पाटलीपुत्र से सांसद हैं। मोदी ने कहा कि दूसरी ओर राजग सांस्वृतिक विरासत को संरक्षित करने और सम्मान देने तथा बिहार सहित अन्य राज्यों का सवार्गीण विकास सुनिाित करने का पक्षधर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी सव्रे बता रहे हैं कि आरजेडी-कांग्रोस को अब तक की सबसे कम सीटें मिलेंगी।

एनडीए को सबसे बड़ी जीत मिलने जा रही है। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार छठ पूजा को यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल करवाने के लिए प्रयास करेगी। दूसरी ओर आरजेडी-कांग्रोसियों की भक्ति, समता, ममता, समरता के महापर्व को ड्रामा-नौटंकी बता रहे हैं। उन्होंने लोगों से पूछा कि आपने कभी राजद और कांग्रोस वालों को राम मंदिर जाते देखा क्या? उन्हें डर है अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर लेंगे तो उनके वोट बैंक नाराज हो जाएंगे। तुष्टिकरण का गणित बिगड़ जाएगा। आपकी आस्था का जो लोग सम्मान नहीं कर सकते वह कभी यहां आकर के स्थलों का विकास नहीं कर सकते। पीएम ने कहा, एनडीए का सवाल है कि बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई और सिचाई के भरपूर अवसर बने। यहां के बेटा-बेटी अब पलायन नहीं करेंगे। बल्कि यहीं काम कर बिहार का नाम रोशन करेंगे। पीएम ने जीएसटी छूट का जिव्र करते हुए कहा कि इससे बिहार के युवाओं ने इस साल सितम्बर-अक्टूबर में डेढ़ लाख से अधिक मोटरसाइकिलें खरीदीं। जंगलराज में नई गाड़ी खरीदते ही आरजेडी के गुंडे पीछे लग जाते थे।

आइकॉनिक 'अटल ब्रिज' : गत तीन वर्षों में 77.71 लाख से अधिक लोगों ने की सैर, 27 करोड़ रुपए से अधिक की हुई आय

अप्रैल 2025 से अक्टूबर 2025 के दौरान, केवल 7 महीने में ही 8.50 लाख से अधिक आगंतुक अटल ब्रिज को देखने पहुंचे

अहमदाबाद के लोगों सहित देश और दुनिया के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना अटल फुट ओवर ब्रिज

गांधीनगर, 04 नवंबर : भारत की पहली हेरिटेज सिटी अहमदाबाद में साबरमती नदी पर बना आइकॉनिक 'अटल ब्रिज' आज अहमदाबाद के लोगों सहित देश और दुनिया के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। छुट्टियां चाहे दिवाली की हो या गर्मियों की, अटल फुटओवर ब्रिज लोगों की सैर का एक पसंदीदा गंतव्य बन गया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 अगस्त, 2022 को अटल ब्रिज आम जनता के लिए खोला था। साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसआरएफडीसीएल) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 31 अगस्त, 2022 से अक्टूबर 2025 तक कुल 77,71,269 लोग अटल ब्रिज को देखने के लिए पहुंचे। इससे अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) को 27.70 करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई है, जो अहमदाबाद के टूरिज्म क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद गुजरात का सबसे बड़ा और आधुनिक शहर है, जिसने आधुनिकीकरण के साथ-साथ अपनी गौरवशाली विरासत को भी संजोकर रखा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में अहमदाबाद शहर में आने वाले पर्यटकों को एक अभूतपूर्व अनुभव प्रदान करने के लिए विभिन्न पर्यटन आकर्षण विकसित किए गए हैं। गांधी आश्रम, साबरमती रिवरफ्रंट, कांकरिया लेकफ्रंट, दुनिया का सबसे बड़ा नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद की पुरानी पोळ संस्कृति और अहमदाबाद हेरिटेज वॉक आदि पर्यटन आकर्षणों को देखने के लिए लाखों पर्यटक अहमदाबाद की यात्रा करते हैं। इनमें, विशेष रूप से अटल फुट ओवर ब्रिज आधुनिक स्थापत्य, गुजराती संस्कृति और नगरीय सौंदर्य का जीवंत प्रतीक है।

अटल ब्रिज आने वाले आगंतुकों के वर्षवार आंकड़े

अटल ब्रिज का निर्माण साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसआरएफडीसीएल) द्वारा किया गया है, जो अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। एसआरएफडीसीएल द्वारा दिए गए वर्षवार आंकड़ों की बात करें, तो 31 अगस्त, 2022 से मार्च 2023 के दौरान 21.62 लाख पर्यटक अटल ब्रिज देखने के लिए पहुंचे थे, इससे 6.44 करोड़ रुपए की आय हुई। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान 26.89 लाख आगंतुकों से 8.24 करोड़ रुपए की आय तथा अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान 20.67 लाख आगंतुकों से 8.19 करोड़ रुपए की आय हुई। वहीं, अप्रैल 2025 से अक्टूबर 2025 तक 8.51 लाख आगंतुक अटल ब्रिज घूमने आ चुके हैं, जिससे अहमदाबाद महानगर पालिका को 4.82 करोड़ रुपए की आय अर्जित हुई है।

इस आइकॉनिक अटल ब्रिज को लगभग 74 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। अब तक, अहमदाबाद महानगर पालिका को अटल ब्रिज से 27.70 करोड़ रुपए की आय हो चुकी है। इस प्रकार, अहमदाबाद महानगर पालिका ने अटल ब्रिज के निर्माण पर हुए कुल खर्च का 37 फीसदी से अधिक हिस्सा रिकवर कर लिया है।

मतदान से 2 दिन पहले मुकेश सहनी का बड़ा दांव, गौड़ा-बौराम में 'त्याग' कर आरजेडी को फुलसपोर्ट!

,

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की वोटिंग (6 नवंबर) से महज दो दिन पहले, बड़ा सियासी भूचाल आ गया है। चुनावी रणभूमि में उतरी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने गौड़ा-बौराम विधानसभा क्षेत्र (दरभंगा) से अपने प्रत्याशी संतोष साहनी का नाम वापस ले लिया।

वीआईपी संस्थापक और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने इस 'बड़े दिल' वाले फैसले को महागठबंधन की मजबूती का प्रतीक बताते हुए फ्खऊ प्रत्याशी मोहम्मद अफजल अली खान को खुला समर्थन दे दिया। यह कदम न सिर्फ सीट-शेयरिंग विवाद को सुलझाने का संकेत है, बल्कि ठऊ्ब के वोट-कटावे के दांव को विफल करने की रणनीति भी है, जिससे महागठबंधन की सरकार बनाने की राह में एक और बाधा दूर हुई। साहनी का यह 'छोटा त्याग' बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय की पुरानी

लड़ाई को नई ताकत दे रहा है, जहां निषाद-मल्लाह वोटबैंक की कुंजी मुकेश सहनी के पास है।

नामांकन के आखिरी दिन (17 अक्टूबर 2025) फ्खऊने अपने पुराने दांव पर अफजल अली खान (आ९' अ' डॅंल्ल) को टिकट दिया, जबकि वीआईपी ने मुकेश सहनी के छोटे भाई संतोष सहनी (ड्ड४ल्लौ१ इ१ड्डड्डौ१ रंल्ल३ड्डँ रैंल्ल्र) को उतार दिया-जिसे सहनी खुद लड़ने वाले थे। यह 'फ्रेंडली फाइट' महागठबंधन के लिए खतरे की घंटी थी, क्योंकि 2020 में इसी सीट पर वीआईपी के स्वर्ण सिंह ने फ्खऊ के अफजल को हराया था। दरभंगा सहनी का गढ़ है, जहां निषाद समुदाय (2.5% वोट शेयर) का दबदबा है। फ्खऊ ने सीट छोड़ने से इनकार कर दिया था, लेकिन आखिरकार 23 अक्टूबर को केंद्रीय मध्यस्थ अशोक गहलोत (कांग्रेस) की मौजूदगी में सुलह हो गई। वीआईपी ने नाम वापस लिया, और अब अफजल अली खान महागठबंधन के आधिकारिक चेहरा बन गए।

यह फैसला महागठबंधन की एकजुटता का प्रमाण है-जिसमें फ्खऊ (143 सीटें), कांग्रेस (61), वामपंथी (30) और वीआईपी (15) शामिल हैं। पहले चरण की 121 सीटों में से कई पर ऐसे 'इंटरनल फाइट्स' थे, लेकिन वीआईपी और कांग्रेस के चार प्रत्याशियों (जैसे बाबूबढ़ी से वीआईपी की बिंदु गुलाब यादव) ने फ्खऊ के पक्ष में नाम वापस लेकर गठबंधन को मजबूत किया। मुकेश सहनी ने दरभंगा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह बड़ी लड़ाई है, छोटा त्याग मायने नहीं रखता। अगर दोनों मैदान में रहते, तो फायदा ठऊ्ब को मिलता। विधायक नहीं, महागठबंधन की सरकार बनाना प्राथमिकता है।' उनका इशारा साफ था-लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय के एजेंडे को मजबूत करने का।

मुकेश सहनी-जिन्हें 'मल्लाह पुत्र' कहा जाता है-बिहार की राजनीति के मास्टर स्ट्रैटेजिस्ट हैं। 2015 में निषाद विकास संघ से शुरूआत, 2018 में वीआईपी की स्थापना, 2020 में ठऊ्ब के साथ 4 सीटें जीतकर मंत्री बने, लेकिन 2022 में बर्खास्तगी के बाद महागठबंधन में लौटे। 2025 चुनाव में उन्होंने 15 सीटों पर दावा ठोका, जिसमें गौड़ा-बौराम, भभुआ, और गोपालपुर शामिल। नामांकन से ठीक पहले उन्होंने खुद चुनाव न लड़ने का ऐलान किया-भाई संतोष को उतारकर पूरे बिहार में कैंपेन पर फोकस करने के लिए।

अब डिप्टी उट का चेहरा घोषित सहनी का यह कदम ठऊ्ब को झटका है। निषाद-मल्लाह वोट (पूर्वी बिहार में मजबूत) को एकजुट कर वे महागठबंधन को 2020 वाली हार से उबार सकते हैं। सहनी ने कार्यकताओं से अपील की, 'अन्य क्षेत्रों में भी अगर फ्रेंडली फाइट है, तो बड़ा दिल दिखाएं। लालू की सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाएं।' फ्खऊ ने बदले में वीआईपी को डिप्टी उट का वादा किया, जो गठबंधन की मजबूती का संकेत है।

यह फैसला बिहार चुनाव के दांव-पेंच को नया मोड़ देता है। ठऊ्ब (बीजेपी-जेडीयू) ने 2020 में वीआईपी को साथ लेकर निषाद वोट काटे थे, लेकिन अब सहनी का महागठबंधन से चिपकना नीतीश-चुनावी गठजोड़ को चुनौती है। पहले चरण में दरभंगा जैसी सीटें ठऊ्ब के लिए महत्वपूर्ण हैं, जहां मुस्लिम-यादव समीकरण फ्खऊ का दम है। वीआईपी का समर्थन अफजल खान की जीत पक्की कर सकता है, जो महागठबंधन को 121 में से मजबूत शुरूआत देगा। विपक्ष ने कहा, 'यह सहनी का मास्टरस्ट्रोक है-ठऊ्ब के वोट-कटावे का इलाज।' वहीं, इखढ ने इसे 'गठबंधन का ड्रामा' बताया।

14 नवंबर को रिजल्ट्स से पहले यह 'एकजुटता का संदेश' महागठबंधन को बूस्ट देगा। मुकेश सहनी की रणनीति साबित कर रही है-बिहार की राजनीति में छोटे दलों का दबदबा कम नहीं। क्या यह गठबंधन की जीत का टर्निंग पॉइंट बनेगा? वोटर्स का फैसला तय करेगा। बिहार के भाई-बहनों, वोट डालें-सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखें!

हरिद्वार में लाखों दियों से जगमग घाट, कमलेश्वर महादेव मंदिर में निसंतान दंपति पूरे रात हाथ में दिया लेकर भगवान से संतान प्राप्ति की कामना करते हैं।

(जीएनएस)।

आज वैकुंठ चतुर्दशी पर्व मनाया जा रहा है। वैकुंठ चतुर्दशी कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पहले मनाई जाती है। धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा सभा और प्रशासन ने गंगा घाट पर हर साल की तरह देव दीपावली एक दिन पहले मनाई। वैकुंठ चतुर्दशी के पर्व पर हरिद्वार में लाखों दिए जलाए जिससे पूरा घाट जगमग हुआ। गंगा आरती की समाप्ति के तुरंत बाद दीप जलाकर दिवाली मनाई गई।

उधर पौड़ी जिले के श्रीनगर में बैकुंठ चतुर्दशी मेले में कमलेश्वर महादेव मंदिर में हर साल संतान प्राप्ति के लिए विशेष अनुष्ठान किया जाता है। जिसमें संतान के लिए पति पत्नी रात भर कमलेश्वर महादेव मंदिर में निसंतान दंपति पूरे रात हाथ में दिया लेकर भगवान से संतान प्राप्ति की कामना करते हैं। मान्यता है कि इस अनुष्ठान के बाद निसंतान दंपतियों को संतान की प्राप्ति भी होती है।

हरिद्वार में कार्तिक पूर्णिमा के दिन नहीं बल्कि आज देव दीपावली मनाई गई। इसका कारण है कल गंगा स्नान के लिए होने वाली भीड़ को देखते हुए गंगा सभा और प्रशासन ने ये फैसला लिया है कि आज गंगा घाट पर हर साल की तरह देवदीपवाली मनाई।

देव दिवाली मान्यता

मान्यता है कि देव दीपावली के दिन देवता दिवाली मनाते हैं। पुराणों के अनुसार देव दिवाली के दिन ही भगवान विष्णु को बलीराजा से मुक्ति मिली थी, इसी दिन वो स्वर्ग पधारे थे। जिसके बाद सारे देवताओं ने दीप जलाकर खुशियां मनाई। इसलिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन मंदिरों में देव दिवाली मनाई जाती है। देवताओं द्वारा मनाई जाने वाली दीवाली धरती को ऊर्जा देती है। इस दिन देवताओं के निमित्त दीपदान का आध्यात्मिक महत्व है। देव दिवाली के दिन देवताओं के लिए दीपदान किया जाता है।

कमलेश्वर महादेव मंदिर में हर साल संतान प्राप्ति के लिए विशेष अनुष्ठान

पौड़ी जिले के श्रीनगर में बैकुंठ चतुर्दशी मेले में कमलेश्वर महादेव मंदिर में हर साल संतान प्राप्ति के लिए विशेष अनुष्ठान किया जाता है। मान्यता है कि कमलेश्वर महादेव मंदिर में दंपति अपनी मनोकामना पूर्ण करने के उद्देश्य से पूरी रात भगवान शिव की आराधना करते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना होती है। जिससे पति पत्नी की समस्याओं का निराकरण किया जा सके।

खड़ा दिया का अनुष्ठान

इस दिन देश विदेश से कई लोग अनुष्ठान में शामिल होते हैं। पौड़ी के श्रीनगर में हर साल बैकुंठ चतुर्दशी मेले में खड़ा दिया का अनुष्ठान किया जाता है। कमलेश्वर महादेव मंदिर में निसंतान दंपति पूरे रात हाथ में दिया लेकर भगवान से संतान प्राप्ति की कामना करते हैं।

मान्यता निसंतान दंपतियों को संतान की प्राप्ति

मान्यता है कि इस अनुष्ठान के बाद निसंतान दंपतियों को संतान की प्राप्ति भी होती है। सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव मंदिर में हर साल दंपति अपनी मनोकामना पूर्ण करने के उद्देश्य से पूरी रात भगवान शिव की आराधना करते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की जाती है।

आईसीसी ने तोड़ा इस भारतीय खिलाड़ी का दिल, 308 रनों के बावजूद नहीं दिया वर्ल्ड कप मेडल, आखिर क्या है कारण?

(जीएनएस)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 जीतकर इतिहास रचा, लेकिन इस जीत के जश्न में एक खिलाड़ी की कहानी ने सभी को भावुक कर दिया। वह हैं स्टार सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल। जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 308 रन बनाकर टीम को फाइनल तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, उन्हें जीत के बाद विजेता मेडल नहीं मिला।

आखिर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को उनके ऐतिहासिक योगदान के बावजूद मेडल से क्यों वंचित रखा गया? इसकी वजह है अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (कऊउ) का सख्त नियम, जिस पर अब चर्चा भी हो रही है।

मेडल न मिलने के पीछे का मुख्य कारण

प्रतिका ने टूर्नामेंट की शुरूआत में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया और छह पारियों में 308 रन बनाए। लीग चरण के आखिरी मैच में बांग्लादेश के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उनके टखने में गंभीर चोट लग गई। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें सेमीफाइनल और फाइनल सहित बाकी टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

कऊउ का नियम और रिप्लेसमेंट

आईसीसी के दिशानिदेर्शों के अनुसार, विजेता टीम का मेडल केवल 15 सदस्यीय आधिकारिक टीम (स्क्वाड) के सदस्यों को ही दिया जाता है, जो फाइनल के समय टीम का हिस्सा होते हैं। प्रतिका चोट के कारण बाहर हो गईं, इसलिए उनकी जगह शेफाली वर्मा को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल किया गया और अंतिम 15 में उनका नाम शामिल हो गया। फाइनल में प्रतिका अंतिम 15 में नहीं थी लेकिन उनको मेडल नहीं मिला। यह नियम उन खिलाड़ियों पर लागू होता है जिन्हें चोट के कारण बीच टूर्नामेंट में टीम से बदल दिया जाता है।

प्रतिका थीं फाइनल के दौरान मौजूद

प्रतिका फाइनल के दौरान व्हीलचेयर पर बैठकर मैदान पर मौजूद थीं और जीत का जश्न मनाया। मैच के बाद कुछ साथी प्लेयर्स ने प्रतिका के गले में मेडल डालकर सम्मान प्रकट किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर और कोच अमोल मजूमदार ने सार्वजनिक रूप से कहा कि यह जीत हर उस खिलाड़ी की है जिसने टीम को आगे बढ़ाया, और प्रतिका उनमें सबसे अहम हैं।

कैसी थी प्रतिका रावल की प्रतिक्रिया

प्रतिका रावल ने भावुक होकर कहा, "मेरे लिए बाहर बैठकर मैच देखना मुश्किल था। मेरे लिए इससे आसान काम मैच खेलना था। मेरे कंधे पर यह झंडा मेरे लिए बहुत मायने रखता है।"

ICC के नियम पर उठे सवाल

प्रतिका रावल की कहानी ने एक बार फिर बहस छेड़ दी है कि क्या आईसीसी को अपने मेडल वितरण नियमों में बदलाव करना चाहिए। कई विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे खिलाड़ियों के लिए अतिरिक्त मेडल का प्रावधान होना चाहिए, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो, भले ही वे फाइनल में न खेल पाए हों।

महाराष्ट्र स्थनीय चुनाव 2025: इंतजार हुआ खत्म, इस तारीख को होंगे निकाय चुनाव, जानें हर डिटेल

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में बहुप्रतीक्षित स्थानीय निकाय चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य के चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव 2 दिसंबर को होंगे, और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी।

नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए चुनाव परिणाम 10 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। हालांकि, मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव की तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

नामांकन प्रकिया कब होगी शुरू?

महाराष्ट्र चुनाव आयुक्त वाघमारे के अनुसार, 29 नगर निगमों को छोड़कर, सभी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव की तारीखें घोषित की गई हैं। इनमें 246 नगर परिषदें और 42 नगर पंचायतें शामिल हैं। इन चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होगी।

बता दें ये महत्वपूर्ण चुनाव सत्ताधारी महायुति (भाजपा, शिंदे शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी) बनाम महाविकास अघाड़ी (यूबीटी शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेस) के बीच होंगे। इसके अलावा, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) भी इन चुनावों के लिए महाविकास अघाड़ी के साथ गठबंधन करने की तैयारी में है।

नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में 1 करोड़ 60 लाख मतदाता शामिल होंगे, जिनके लिए 13,155 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। वाघमारे ने बताया कि इन स्थानीय स्व-सरकारी निकायों में 6,859 सदस्यों और 288 अध्यक्षों के चुनाव के लिए मतदान होगा।

इन चुनावों में कुल 1.7 करोड़ योग्य मतदाता हैं, जिनके लिए 13,355 मतदान केंद्र होंगे। मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के माध्यम से किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर है, और इनकी जांच 18 नवंबर को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 21 नवंबर है। मतदान 31 अक्टूबर की मतदाता सूची के अनुसार होगा।

पारदर्शिता और मतदाताओं की सुविधा

पारदर्शिता और मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए, राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च करेगा और अपनी वेबसाइट का उपयोग करेगा। इन डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से मतदाता अपनी व्यक्तिगत जानकारी और वार्ड विवरण आसानी से देख पाएंगे। एसईसी सभी उम्मीदवारों के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेगा, जिसमें उनके द्वारा जमा किए गए हलफनामे शामिल होंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसईसी ने दोहरा मतदान (डुप्लीकेट वोटिंग) के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने बताया कि ऐसे मतदाताओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जो कई जगहों पर पंजीकृत हैं।

वाघमारे ने कहा, "ऐसे मतदाताओं को मतदाता सूची में 'डबल स्टार' से चिह्नित किया जाएगा। उन्हें केवल एक ही जगह पर मतदान करने की सख्त अनुमति होगी। एसईसी के कर्मचारी इन मतदाताओं से संपर्क कर उनकी वरीयता सुनिश्चित करेंगे।"

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की गई है। आखिरी बीएमसी चुनाव 2017 में हुए थे, जिसके बाद से अब तक चुनाव नहीं हुए हैं। 2017 में, मतदान 21 फरवरी को एक ही चरण में हुआ था और परिणाम 23 फरवरी को घोषित किए गए थे।

2017 के बीएमसी चुनावों में, कुल 227 सीटों में से शिवसेना (अविभाजित) ने 84 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 82 सीटें हासिल की थीं। उस समय दोनों दल गठबंधन में थे। कांग्रेस को 31 सीटें मिली थीं, जबकि एनसीपी (अविभाजित) ने 13 सीटें जीती थीं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भरूच यार्ड में फुट ओवर ब्रिज डी-लॉन्चिंग हेतु ब्लॉक

मुंबई,

कुछ ट्रेनें रेगुलेट की जाएंगी

वडोदरा-सूरत स्टेशनों के बीच भरूच यार्ड में फुट ओवर ब्रिज (FOB) की डी-लॉन्चिंग हेतु बुधवार, 5 नवंबर, 2025 को 12:50 बजे से 15:50 बजे तक 3 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप एवं डाउन मेन लाइनों पर लिया जाएगा, जिसके कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

- 05 नवंबर, 2025 को रेगुलेट की जाने वाली ट्रेनें:

1. ट्रेन संख्या 12656 पुरट्चि तलैवर डॉ. एम. जी. आर. चेन्नई सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस 01 घंटा 25 मिनट रेगुलेट होगी।
2. ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल-शकूर बस्ती स्पेशल 01 घंटा 30 मिनट रेगुलेट होगी।
3. ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम स्पेशल 55 मिनट रेगुलेट होगी।
4. ट्रेन संख्या 09095 बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट स्पेशल 45 मिनट रेगुलेट होगी।

हरिद्वार में अतिक्रमण के खिलाफ धामी सरकार का एक्शन, अवैध मजार पर चला बुलडोजर

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर बुलडोजर कार्रवाई हुई है। प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार को ध्वस्त कर दिया है। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी संपत्ति पर किसी भी तरह का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बताया गया कि पूर्व में दरगाह प्रबंधक को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिसके बाद आज प्रशासन ने कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अमला और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड में सरकारी जमीनों पर बने अवैध ढांचों के खिलाफ अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। इसी के तहत हरिद्वार के रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के पथरी रोह पुल के पास करीब दो बीघा सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार पर आज प्रशासन का बुलडोजर चला। सिंचाई विभाग ने पूर्व में दरगाह प्रबंधक को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिसके बाद आज प्रशासन ने कार्रवाई की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 31 तारीख प्रशासन ने पहले कार्रवाई करने का निर्णय लिया था, लेकिन हरिद्वार में वीआईपी मूवमेंट होने के कारण कार्रवाई को टाल दिया गया। लेकिन आज अवैध दरगाह पर प्रशासन का बुलडोजर चला दिया गया। दरगाह सिंचाई विभाग की करीब दो बीघा जमीन पर अवैध दरगाह बनी है।

बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अतिक्रमण को लेकर विधानसभा में भी एक बयान दिया है। सीएम ने कहा कि जो इस विधि व्यवस्था को नहीं मानता है, अतिक्रमण करता है। कोई सरकारी जमीनों पर कब्जे कर रहा है। लाल, हरी, पीली और नीली चादर डालकर जमीन पर कब्जा करेगा। वह देवभूमि उत्तराखंड में नहीं चल सकता है। उन्हें कानून के तहत हटाया गया है, और यह अभियान आगे भी चलता रहेगा। सीएम धामी ने कहा कि किसी समुदाय विशेष को डराने का हमारा कोई मकसद नहीं है।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबन्धित प्रश्नों के त्वरित निपटारे के लिए 15 दिसंबर, 2025 (सोमवार) को पेंशन अदालत का आयोजन किया गया है।

अहमदाबाद मण्डल से जो भी कर्मचारी सेवानिवृत हुए है उन पेंशनर/फेमिली पेंशनर के पेंशन संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में दिनांक 15.12.2025 (सोमवार) को पेंशन अदालत का

आयोजन किया जा रहा है।

अहमदाबाद मंडल से जो भी कर्मचारी रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं वह पेंशनर/फैमिली पेंशनर अपनी पेंशन संबंधित शिकायतें है वह अपना आवेदन (तीन प्रतियों में) दिनांक 21.11.2025 तक मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय (स्थापना), अहमदाबाद मण्डल पश्चिम रेलवे, ऋ्रछर हॉस्पिटल के सामने अमदुपुरा अहमदाबाद पिनकोड:382345 को भेज सकते हैं। आवेदन में अपना नाम, पदनाम, अंतिम वेतन, भर्ती तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि ढढड प्रति एवं शिकायत का प्रकार अवश्य दर्ज करें।

विटामिन-सी से सौन्दर्य : -शहनाज हुसैन

अगर आप अपने सौन्दर्य बिशेष्ज्ञ को त्वचा के लिए बेहतरीन प्रकृतिक खाद्य पदार्थों के बारे में पूछेंगी तो विटामिन सी की खुराक शायद सबसे टॉप पर होगी / विटामिन सी को शरीर में सप्लीमेंट या डाइट द्वारा ही लिया जा सकता है तथा इसकी शरीर में प्रकृतिक रूप में उत्पति नहीं होती /

विटामिन सी की गणना सबसे प्रभावी और सुरक्षित पौषक तत्वों में की जाती है जोकि आंबला और अमरुद जैसे शाकाहारी भोज्य पदार्थों में सर्बाधिक पाया जाता है / यह पालक ,मूली , अंकुरित अनाज ,संतरे , हरी और लाल मिर्च , ब्रॉक्ली ,पपीते , स्ट्रॉबेरी , अनानास , कीवी और आम जैसे फलों , सब्जियों में भरपूर मात्रा में पाया जाता है /

डॉक्टरों की माने तो ब्यस्क पुरष को रोजाना 90 मिली ग्राम और महिला को रोजाना 75 मिलीग्राम विटामिन सी का सेवन करना चाहिए / गर्भबती महिलाओं को लगभग 85 मिलीग्राम तथा स्तनपान करबाने बाली महिलाओं को रोजाना 120 मिलीग्राम विटामिन सी की जरूरत होती है और इससे ज्यादा विटामिन सी का सेवन करने से दस्त , उल्टी ,पेट दर्द ,सिर दर्द ,पथरी आदि कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं / डॉक्टरों के अनुसार विटामिन सी की शरीर में अधिकता से कोई बिषाक्त और हानिकारक प्रभाब नहीं पड़ता क्योंकि जल में घुलनशील होने की बजह से इसका उतसर्जन शरीर में मूत्र के द्वारा हो जाती है /

विटामिन सी दिल की बिमारियों , एनीमिया ,क्लोस्ट्रोल ,मोतियाबिन्द और डायबिटिक जैसी बिमारियों को ठीक करने के लिए भी काफी मददगार साबित होती है /

विटामिन सी की कमी से जोड़ों का दर्द ,दांतों में दर्द , मसूड़ों से खून बहना , थकान /कमजोरी आदि की अनेक समस्याएं सामने आती हैं /

त्वचा की देखभाल तथा सौन्दर्य के लिए आप अकसर महंगें सौन्दर्य प्रसाधनों तथा फेशियल और क्लींजिंग जैसे ब्यूटी ट्रीटमेंट की ओर रूख करती है। जबकि बास्तविकता यह है कि स्वस्थ्य और नर्म ,मुलायम त्वचा के लिए जिम या पार्लर जाने की ज्यादा जरूरत जरूरत नहीं है। अगर आप रोजना सुबह विटामिन 'सी' का उपयोग करती है तो आपको स्वास्थ्य तथा सौन्द्रय दोनों एक साथ मिल सकते है। विटामिन 'सी' के प्रतिदिन सेवन से आप प्राकृतिक तौर पर आकर्षक तथा चुस्त दिखेगी। प्रतिदिन सुबह अपने नाश्ते में नीबूं, संतरा, आमला, अंकुरित अनाज, टमाटर तथा अंगूर आदि शामिल करने से आप बढ़ती उम्र की समस्या का सामना कर सकती है। विटामिन 'सी' के सेवन से शरीर में 'कोलेजन' का निर्माण होता है जिससे त्वचा में कसाहट तथा कोमलता पैदा होती है जिससे चेहरें पर पड़ने वाली झुर्रियों को रोका जा सकता है तथा सूरज की किरणों तथा वातावरण में विद्यमान प्रदूषण से त्वचा को हुए नुकसान की भरपाई की जा सकती है। विटामिन 'सी' का सेवन यकृत अमाशय, सर्दी, जुकाम, न्यूमोनिया में असरकारक साबित होता है। विटामिन 'सी' का उपयोग शरीर और सौन्दर्य दोनों के लिए लाभकारी है। अनेक वैज्ञानिक शोधों में यह पाया गया है कि विटामिन 'सी' के नियमित सेवन से आप मुलायम त्वचा, चमकीले बाल, आकर्षक आंखें तथा छरहरा बदन पाने के साथ ही अनेक रोगों से मुक्ति भी पा सकती है। बालों के स्वास्थ्य के लिए विटामिन सी अत्यन्त प्रभाबी बिकल्प माना जाता है / शरीर में विटामिन सी की कमी से डैंड्रफ , दो मुहें बाल , रूखेपन जैसी बालों की समस्याएं सामने आती हैं / विटामिन सी के नियमित सेवन से सिर में रक्त संचार बढ़ता है और आप के बाल लम्बे ,मुलायम और खूबसूरत दिखने लगते हैं

सबसे पहले अगर हम त्वचा को ले तो सामान्य त्वचा बरकरार रखने के लिए हमें प्रतिदिन उचित पौषाहार की जरूरत होती है। त्वचा की सेहत तथा यौवनता व त्वचा को कोशिकाओं के पुर्ननिर्माण के लिए विटामिन 'सी' शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करके हमारी त्वचा को लचीला , सुदृढ़ तथा आकर्षक बनाते है। विटामिन सी के आहार में शामिल करने से सूर्य की किरणों से बचाव के लिए त्वचा पर प्रयोग की गई सनस्क्रीन को ज्यादा प्रभाबी बनाने में मदद मिलती है

विटामिम-'सी' की कमी जवान उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियाँ पड़नी शुरू हो जाती है तथा त्वचा में रूखापन आना शुरू हो जाता है जिससे त्वचा बेजान हो जाती है। आमला में सर्वाधिक मात्रा में विटामिन-'सी' पाया जाता है। आयुर्वेदिक में आमला को अनेक रोगों के उपचार में रामबाण बताया गया है। आमला में विद्यमान प्रचुर मात्रा में विटामिन 'सी' गर्मियों में लू आदि से बचाने में अत्यन्त सहायक होता है। प्रत्येक सुबह आमला जूस को पानी में मिलाकर पीने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा सूर्य की गर्मी से झुलसी त्वचा तथा अन्य त्वचा रोगों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। अपने सौन्दर्य को निखारने के लिए फलों को अपने आहार विशेषकर ब्रेकफास्ट का अभिन्न अंग बनाईए। प्रत्येक सुबह गर्म पानी में नीबूं रस मिलाकर पीने से शरीर में विषैले प्रदार्थ बाहर निकलते है तथा पाचन तंत्र को सुदृढ़ होता है। जिससे चेहरे की आभा में निखारे आता है तथा चेहरे की रंगत साफ होती है। नीबूं को अनेक सौन्दर्य समस्याओं के निदान में उपयोग में लाया जा सकता है लेकिन नीबूं रस को हमेशा पानी में मिलाकर ही प्रयोग में लाए क्योंकि गाढ़ा नीबूं का रस त्वचा में रूखापन ला सकता है। नीबूं के रस से धूप की तपस/जलन से त्वचा पर पडे. काले धब्बों को मिटाने में मदद मिलती है तथा इसे हैंड लोशन की तरह भी प्रयोग किया जा सकता है। नीबूं के रस को गुलाब जल में मिलाकर हाथ में रगड़ने से हाथों की रंगत में निखार आता है तथा त्वचा मुलायम हो जाती है। अगर आपके हाथों की त्वचा सख्त या खुरदरी है तो नीबूं रस को दानेदार चीनी में मिलाकर इस मिश्रण को हाथों पर रगडे. तथा इससे आपके हाथ मुलायम, चमकदार, आकर्षक हो जाऐगे। अन्य खट्टे फलों की तरह अंगूर स्वास्थ्यवर्धक होने के साथ-साथ सौन्दर्य निखारने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। अंगूर त्वचा की रंगत को निखारते है तथा प्रभावी क्लीजिंग के रू प में असरकारक साबित होते है। अंगूरों के रस को त्वचा पर लगाने के 20 मिनट बाद साफ ताजे पानी से धो डालिए। यह तैलीय तथा कील मुंहासे से प्रभावित त्वचा के लिए अत्यन्त लाभदायक साबित होगा तथा त्वचा के छिद्रों को कसने में मददगार होते है।

संतरे में विटामिन-सी प्रचूर मात्रा में पाया जाता है। संतरे को अपने आहार में शामिल करने के साथ ही बाहरी त्वचा के निखार में भी उपयोग में लाया जा सकता है। संतरे के जूस को फेस पैक में मिलाने या उसे सीधे अपने चेहरे पर लगाने से त्वचा के एसिड-एलकलाईन संतुलन को बनाने में मदद मिलती है। जिससे चेहरे पर काले धब्बे मिटते है तथा चेहरे की रंगत साफ होती है । संतरे के छीलके में फल की अपेक्षा विटामिन-सी की प्रचुरता कही ज्यादा होती है। त्वचा के छिद्रों को कसने तथा तेल को सोखने के लिए सूखे तथा संतरे के छिलको के पाऊडर को स्क्रब तथा मास्क की तरह उपयोग में लाया जा सकता है। संतरे के छिलक के पाऊडर को मिल्क क्रीम या दही मिलाने से श्रेणी की स्क्रब बनाया जा सकता है। संतरे के छिलको के पाऊडर में मुलतानी मिट्टी तथा गुलाब जल मिलाकर बने पेस्ट को त्वचा पर लगाने से कील मुंहासों, फोडे, फुन्सी तथा अन्य त्वचा सम्बन्धी विकार को दूर करने में मिलती है। विश्व के सौन्दर्य विशेषज्ञ विटामिन-सी को सौन्दर्य निखारने में चमत्कारी मानते है।

विटामिन सी को विटामिन ई या फेरुलिक एसिड जैसे दूसरे एन्टी ऑक्सीडेंट से मिलाकर लेने से चेहरे की झुर्रियों ,त्वचा की रंगत निखारने , फ्री रैडिकल्स से बचाब के लिए ज्यादा प्रभाबी बनाया जा सकता है / इसे विटामिन बी या 'लुरॉनिक एसिड से मिलाकर भी लिया जा सकता है लेकिन विटामिन सी को रेटिनॉल से मिलाकर लेने से परहेज करें और अगर आप दोनों को लेना चाहती हैं तो दोनों के उपयोग में न्यूनतम आधे घण्टे का अन्तर जरूर रखे

लेखिका सौन्दर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल में रेल परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, अहमदाबाद में अहमदाबाद मंडल पर चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं, निर्माण एवं पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक की।

महाप्रबंधक ने इस दौरान अहमदाबाद, साबरमती और भुज स्टेशन पर चल रहे रि-डवलपमेंट कार्य की प्रगति, आदरज मोटी-विजापुर गेज परिवर्तन, साबरमती-असारवा कनेक्टिविटी, गांधीधाम-आदिपुर लाइन का चौहरिकरण,सामाख्यालीझगांधीधाम चौहरिकरण, अहमदाबाद यार्ड रिमॉडलिंग वटवा-अहमदाबाद-साबरमती चौथी लाइन, नलिया-जखाऊ पोर्ट नई लाइन आदि परियोजना के कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों, रोड ओवर ब्रिज (फ्ङइ), रोड अंडर ब्रिज (फ्given), यात्री सुविधाओं के उन्नयन, सुरक्षा एवं परिचालन सुधार कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक प्रोजेक्ट की

वर्तमान स्थिति, पूर्णता का लक्ष्य, आने वाली तकनीकी या प्रशासनिक अड़चनों तथा समाधान की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली।

यह भी निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें और परिचालन दक्षता में वृद्धि हो। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजनाओं की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान श्री गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल के अंतर्गत गेज कन्वर्जन एवं नई रेल लाइन निर्माण परियोजनाओं की प्रगति पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने विस्तृत रूप से यह जाना कि किस सेक्शन में कितना कार्य पूरा हो चुका है, कितना कार्य शेष है और निर्धारित समय तक उसे पूरा करने की योजना क्या है।

पश्चिम रेलवे निरंतर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और संरचनात्मक विकास के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारी मिलजुलकर निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य परियोजना प्रबंधक (निर्माण), मुख्य परियोजना प्रबंधक (फ्छऊअ) सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं मुख्यालय से आए प्रधान मुख्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र सरकार ने बीपीएल और गरीब परिवारों के लिए खोला खजाना, 25 साल तक मुफ्त मिलेगी यह सुविधा

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र सरकार ने प्रदेश के बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) और आर्थिक तौर पर कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया है। अब इन परिवारों को 25 साल के लिए फ्री में बिजली मिलेगी। मुंबई महावितरण ने इसके लिए योजना बनाई है। इस योजना को स्वयंपूर्ण महाराष्ट्र आवासीय रूफटॉप (स्मार्ट) के तहत लागू किया जाएगा। इसके लिए घरों में एक किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट की स्थापना का भी फैसला किया गया है। सरकार का यह अहम फैसला अहम राजनीतिक कदम साबित हो सकता है।

दिल्ली और बिहार जैसे राज्यों में फ्री बिजली योजना ने आम लोगों को राहत दी। चुनावों में इसे अहम लोककल्याणकारी कदम के तौर पर भी पेश किया गया। अरविंद केजरीवाल की दिल्ली में 2020 विधानसभा चुनावों में वापसी को भी इससे जोड़कर देखा गया था। अब

महाराष्ट्र सरकार ने भी फ्री बिजली देने का अहम दांव चला है।

सरकार के इस फैसले से लाखों परिवारों को फायदा

– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य सरकार ने स्मार्ट योजना शुरू की है। इसके तहत 1.54 लाख बीपीएल और 3.45 लाख आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को इसका फायदा मिलेगा।

– इसके अलावा, पांच लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं, जो प्रति माह 100 यूनिट से कम बिजली की खपत करते हैं उनको भी मुफ्त बिजली मिलेगी। इसके लिए अतिरिक्त बिजली बेचकर आय का प्रावधान किया गया है। इसके लिए 655 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

– यह योजना पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लागू की जाएगी। हाल ही में हुई राज्य स्तरीय बैठक में इस योजना के कार्यान्वयन के संबंध में निर्देश दिए गए थे।

टर्छुं के हजारों परिवारों को मिलेगा इसका लाभ

मुंबई शहर में खास तौर पर कम आय वर्ग के लोगों के लिए यह योजना एक बड़ी राहत साबित हो सकती है। घरों के महंगे किराये और आने-जाने में लगने वाले खर्च की वजह से गरीब लोगों के लिए अपना परिवार चलाना बेहद मुश्किल होता है। ऐसे में फ्री बिजली की सुविधा उनके लिए बहुत बड़ी राहत बन सकती है। केंद्र सरकार ने हाल ही में 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' की शुरूआत की है और अब राज्य और केंद्र मिलकर यह सब्सिडी आम लोगों को देगी।

कैसे अचानक मालगाड़ी के ऊपर चढ़ी पैसेंजर ट्रेन? 7 मौतों का जिम्मेदार कौन?

(जीएनएस)।

हावड़ा रूट पर एक दिल दहला देने वाला रेल हादसा मंगलवार (4 नवंबर 2025) दोपहर करीब 4 बजे बिलासपुर रेल डिवीजन के लालखदान क्षेत्र में हो गया। कोरबा-पैसेंजर मेमू ट्रेन नंबर 68262) और एक मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की भयंकर टक्कर इतनी जोरदार थी कि पैसेंजर ट्रेन के 4 डिब्बे पटरी से उतर गए।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि 7 लोगों की लाशें निकाली जा चुकी हैं। अभी भी बोगी के अंदर दो लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, प्रत्यक्षदर्शी तखतपुर के यात्री देवकुमार धुरी ने बताया कि हादसे में 20 से 25 लोग घायल हो गए हैं। हालांकि, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

घायलों को बिलासपुर के सदर अस्पताल और नजदीकी मेडिकल यूनिट्स में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर है। रेलवे प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया है, लेकिन हादसे के कारण बिलासपुर-कटनी सेक्शन पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। कई ट्रेनें रद्द या डायवर्ट की गई हैं।

पटरी से उतरे डिब्बे, यात्रियों में अफरा-तफरी

यह हादसा हावड़ा रूट पर बिलासपुर-कटनी रेल मार्ग के व्यस्ततम खंड पर हुआ, जो हावड़ा-मुंबई मुख्य लाइन का हिस्सा है। बिलासपुर रेलवे सीपीआरओ डॉ सुस्कर विपुल विलासराव ने बताया कि पैसेंजर ट्रेन ने आगे चल रही मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मारी। कोरबा से चल रही पैसेंजर ट्रेन में सैकड़ों यात्री सवार थे, ज्यादातर कोरबा, बिलासपुर और छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के सवार रहे। टक्कर के बाद इंजन और अगले 3-4 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे ओवरहेड इलेक्ट्रिकल वायरें और सिग्नल सिस्टम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई- यात्री घायल अवस्था में इधर-उधर भागे, जबकि मलबे के नीचे कई फंस गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'ट्रेन अचानक झटके के साथ रुक गई। हमने सोचा ब्रेक है, लेकिन अगले ही पल जोरदार आवाज आई और सब उछल पड़े।'

मृतकों में ज्यादातर सामान्य श्रेणी

के यात्री शामिल हैं, जिनकी पहचान प्रक्रिया जारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट कर शोक जताया और कहा, 'रेलवे की पूरी टीम मौके पर है। घायलों का इलाज प्राथमिकता।' छत्तीसगढ़ सीएम विष्णु देव साय जिला प्रशासन को तुरंत राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

कैसे चढ़ी पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी पर? सिग्नल फेलियर या मानवीय भूल?

प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी या ड्राइवर की त्रुटि उभर रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मालगाड़ी सिग्नल के ग्रीन होने पर आगे बढ़ी, लेकिन पैसेंजर ट्रेन को रेड सिग्नल मिला होने के बावजूद, लोको पायलट स्पीड कम न करने से टक्कर हुई। एक सीनियर रेल अधिकारी ने बताया, 'ट्रैक पर ट्रिपल लाइन सेक्शन है, लेकिन सिग्नल ओवरलैपिंग की वजह से मालगाड़ी गलत ट्रैक पर आ गई। पैसेंजर ट्रेन की स्पीड 80 किमी/घंटा थी, जो टक्कर को घातक बना दिया।' हालांकि, सटीक वजह का पता लगाने के लिए उफ्र (कमीशनर ऑफ रेलवे सेफ्टी) की टीम जांच कर रही है। कुछ रिपोर्ट्स में सिग्नल फेलियर को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जबकि अन्य में लोकीपर की लापरवाही का शक है। रेलवे ने कहा, '24 घंटे में प्रीलिमिनरी रिपोर्ट आएगी।

हादसे की सूचना मिलते ही बिलासपुर रेलवे डिवीजन ने NDRF, मेडिकल वैन और रेस्क्यू टीम तैनात कर दी। स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मलबा हटाने में मदद की। अब तक 4 की मौत की पुष्टि हो चुकी हैं, और घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल रेफर किया गया। हेल्पलाइन नंबर 139 (रेलवे), 1075 (डिजास्टर मैनेजमेंट)।

कौन-कौन से ट्रेनें डायवर्ट?

हादसे से बिलासपुर-कटनी रूट पर ट्रैफिक ठप। प्रभावित ट्रेनें:-

क्रमांक	ट्रेन नंबर	नाम	स्टेटस
1	18477	पुरी-योगनागरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस	डायवर्ट (बिलासपुर-गोंदिया-जबलपुर-कटनी)
2	12549	दुर्ग-उधामपुर एक्सप्रेस	डायवर्ट (दुर्ग-गोंदिया-जबलपुर-कटनी)
3	18238	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बिलासपुर एक्सप्रेस	रद्द
4	12807	समता एक्सप्रेस	डायवर्ट

रेलवे ने वैकल्पिक बस सुविधा शुरू की है। बहाली में 12-24 घंटे लग सकते हैं।

रेलवे ने अनुग्रह राशि की घोषणा की

मृतकों (हताहत) के परिजनों के लिए ₹10 लाख

गंभीर रूप से घायलों के लिए ₹5 लाख

मामूली रूप से घायलों के लिए ₹1 लाख

जिम्मेदार कौन? सवाल उठे सेफ्टी सिस्टम पर

यह हादसा रेलवे की सेफ्टी पर सवाल खड़े करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम (कावच) की कमी या मेंटेनेंस नेत्री ने इसे बढ़ावा दिया। विपक्ष ने सरकार से हाई-लेवल जांच की मांग की। रेलवे बोर्ड ने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवारों को 10 लाख मुआवजा और घायलों को 2 लाख मिलेंगे। यह घटना याद दिलाती है कि व्यस्त रूट्स पर सतर्कता कितनी जरूरी है। मृतकों को श्रद्धांजलि-ईश्वर परिवारों को शक्ति दे। अपडेट्स के लिए रेलवे ऐप चेक करें।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम (कावच) क्या है? क्या हुआ फेल?

कवच भारतीय रेलवे की एक स्वदेशी सुरक्षा तकनीक है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि ट्रेनें किसी भी मानवीय गलती या तकनीकी खराबी के कारण आपस में न टकराएं। आसान शब्दों में कहें तो ये सिस्टम ट्रेन का सेफ्टी गार्ड है, जो जरूरत पड़ने पर खुद ही ट्रेन रोक देता है। जब भी कोई ड्राइवर लाल सिग्नल को पार करने की गलती कर देता है, तो कवच अपने आप ट्रेन की ब्रेकिंग सिस्टम को एक्टिवेट कर देता है। यानी ड्राइवर की एक छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में न बदल पाए। इसके अलावा, कवच ट्रेन के केबिन में ही सिग्नल और स्पीड की रियल-टाइम जानकारी दिखाता है ताकि लोको पायलट को हर पल अपडेट मिले।

'मेरा हाथ पकड़ा और जोर से': उभरती एक्ट्रेस संग ऑटो ड्राइवर की शर्मसार करने वाली घिनौनी करतूत, आगे क्या हुआ?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड की उभरती एक्ट्रेस शमीम अकबर अली के साथ मुंबई के बांद्रा इलाके में एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर ने बदसलूकी की। दिन दहाड़े हुई इस घटना में ड्राइवर ने न सिर्फ एक्ट्रेस के साथ छेड़छाड़ की, बल्कि उनकी 5 साल की बेटी के सामने उनका हाथ पकड़कर मरोड़ दिया।

शमीम ने रो-रोकर इस दर्द को बयां किया और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। यह मामला महिलाओं की सुरक्षा पर फिर से सवाल खड़े कर रहा है, खासकर पब्लिक ट्रांसपोर्ट में। आइए जानें पूरी घटना, एक्ट्रेस का सफर और पुलिस की कार्रवाई...क्या है पूरा मामला?

दिनदहाड़े ऑटो में बदतमीजी

1 नवंबर 2025 की दोपहर करीब 2:45 बजे मुंबई के बांद्रा इलाके में यह शर्मनाक घटना घटी। 'इन द मंथ ऑफ जुलाई' (2021) फिल्म से पहचानी जाने वाली शमीम अपनी 5 साल की बेटी को स्कूल से लेने गईं। ऑटो रिक्शा ड्राइवर से रुकने को कहा, तो वह चिढ़ गया और गालियां बकने लगा। जल्दबाजी में किराया मांगा। शमीम ने बेटी को गोद में उठाया और उसी ऑटो में बैठकर घर (सोसाइटी) जाने को कहा।

मिड-डे को दिए इंटरव्यू में शमीम ने बताया, 'घर के गेट पर पहुंचते ही बेटी ने फाउंटेन एरिया तक थोड़ी दूर और चलने को कहा। मैंने मना किया और कहा कि दूसरा ऑटो लेंगे। इससे पहले कि उतर पातीं, ड्राइवर गुस्से में आ गया। उसने मेरा दाहिना हाथ पकड़ लिया और जोर-जोर से मरोड़ दिया। मेरी बेटी सब देख रही थी, वह डर गई, रोने लगी।' एक्ट्रेस ने चिल्लाकर मदद मांगी, लेकिन ड्राइवर भाग गया। शमीम ने रोते हुए कहा, 'यह घिनौना कृत्य मेरी बेटी के सामने हुआ। मैं स्तब्ध थीं।'

शमीम ने तुरंत सोसाइटी सिक्योरिटी को बताया, जिन्होंने ड्राइवर का रजिस्ट्रेशन नंबर नोट किया। इसके बाद उन्होंने बांद्रा पुलिस स्टेशन में ऋक्रफ दर्ज कराई। पुलिस ने क्ढउ की धारा 354 (महिलाओं पर हमला) और 504 (जबरदस्ती) के तहत केस दर्ज किया। आरोपी की तलाश जारी है, और रिक्शा नंबर से ट्रेसिंग हो रही है।

शमीम अकबर अली मुंबई की रहने वाली एक टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जो 2021 में आई इंडिपेंडेंट फिल्म 'इन द मंथ ऑफ जुलाई' से सुर्खियों में आईं। इस फिल्म में उनके नैचुरल एक्टिंग को खूब तारीफ मिली। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां फैशन, फैमिली लाइफ और डेली रूटीन शेयर करती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि फिलहाल वे फिल्मों से ब्रेक लेकर फैमिली पर फोकस कर रही हैं, लेकिन जल्द नई प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी। यह घटना शमीम के लिए मानसिक आघात साबित हुई।

सूडान में भारतीय शख्स को किया किडनैप, पूछा- 'शाहरुख खान को जानते हो?'

(जीएनएस)।

ओडिशा के जगतसिंहपुर ज़िले के रहने वाले आदर्श बेहरा को सूडान में रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (RSF) मिलिशिया (सूडान में एक गुट के लड़ाके) ने कथित तौर पर अगवा कर लिया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर भारत और ओडिशा सरकार से मदद की अपील की है। यह घटना खार्तूम से लगभग 1,000 किलोमीटर दूर अल फाशिर शहर में हुई है।

कोटकाना गांव के निवासी हैं आदर्श बेहरा

37 साल के आदर्श बेहरा जगतसिंहपुर ज़िले के कोटकाना गांव के रहने वाले हैं, जो टिरटोल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। वे 2022 से सूडान की सुकराती प्लास्टिक फैक्ट्री में काम कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ़्ते ही उनका अपहरण हुआ।

सूडानी लड़ाकों ने पूछा- 'शाहरुख खान को जानते हो?'

जारी वीडियो में आदर्श दो RSF सैनिकों के बीच बैठे दिखाई दे रहे हैं। उनमें से एक सैनिक उनसे पूछता है, "क्या आप शाहरुख खान को जानते हैं?" इसके बाद आदर्श ने वीडियो में कहा कि उन्हें अल फाशिर में बंदी बनाकर रखा गया है, जहां हालात बहुत खराब हैं। उन्होंने कहा, "मेरा परिवार बहुत चिंतित है। मैं राज्य और केंद्र सरकार से विनती करता हूं कि मुझे बचाया जाए।"

स्थानीय प्रशासन ने दी पुष्टि, सरकार को भेजी रिपोर्ट

जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक (SP) अंकित कुमार वर्मा ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, "हमारे ज़िले के व्यक्ति के सूडान में फंसे होने की जानकारी मिलने के बाद हमने राज्य सरकार और पुलिस महानिदेशक को कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया है।"

अल फाशिर पर RSF का कब्जा, बढ़ी हिंसा और विस्थापन

फ्त्र्र ने हाल ही में अल फाशिर पर कब्जा कर लिया है, जिससे क्षेत्र में नई हिंसा और भारी पैमाने पर विस्थापन हुआ है। गौरतलब है कि फ्त्र्र का गठन 2013 में दारफूर युद्ध के दौरान जनजेवीड मिलिशिया से हुआ था। 2023 में इसने सूडानी सेना के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया, जिससे देश में गृहयुद्ध शुरू हो गया।

भारत और सूडान सरकारें कर रहीं बात

सूडान के अधिकारियों ने बताया है कि वे भारत के विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर आदर्श बेहरा की रिहाई सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। सूडान के भारत में राजदूत मोहम्मद अब्दुल्ला अली एलतोम ने नई दिल्ली में कहा कि "दोनों देश बेहरा की सुरक्षित वापसी के लिए समन्वय कर रहे हैं।"

परिवार में पसरा डर और अनिश्चितता का माहौल

कोटकाना गांव में आदर्श का परिवार बेहद परेशान है। उनकी पत्नी सुमित्रा बेहरा, पिता क्षेत्रबासी बेहरा (69) और मां आरती बेहरा (65) लगातार उनके लौटने की प्रार्थना कर रहे हैं। क्षेत्रबासी ने कहा, "अपने इकलौते बेटे के अपहरण की खबर सुनकर हम टूट गए हैं। वह अशांति के बावजूद नौकरी के लिए सूडान में रहा।"

मां और पत्नी ने सरकार से की भावनात्मक अपील

आदर्श की मां आरती की आंखों से आंसू बहते हुए उन्होंने कहा, "हम अपने बेटे की सुरक्षित वापसी की मांग करते हैं। हम बहुत डरे हुए हैं।" पत्नी सुमित्रा ने कहा, "हमें उम्मीद है कि सरकार और दूतावास पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम भरोसा बनाए हुए हैं।" दंपति के दो बेटे हैं जो अपने पिता की खबर का इंतजार कर रहे हैं।

जान की बाजी लगाने को तैयार हूं...' सीएम डॉ. यादव की सभा रोकने को विपक्ष की साजिश, हैलीपैड और रास्ता किया बाधित

सीएम डॉ. मोहन यादव विपक्षी बाधाओं को पार करते हुए एनडीए उम्मीदवारों के लिए बिहार में जोरदार प्रचार कर रहे हैं। वह सार्वजनिक जुड़ाव और एनडीए के समर्थन के महत्व पर जोर देते हैं।

(जीएनएस)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिनों बिहार में एनडीए के समर्थन में गर्मजोशी से प्रचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि पार्टी हाईकमान ने उन्हें बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक बनाया है। पार्टी हित और लक्ष्य के प्रति उनकी लगन व कर्मशीलता और संकल्पबद्धता की बानगी आज (4 नवंबर को) बिहार में देखने को मिली। यहां विधासनभा चुनाव प्रचार के बीच सीएम डॉ. मोहन ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे किसी भी हालात में रुकने वाले नहीं हैं। किसी भी तरह की विपरीत परिस्थिति उन्हें वचन को पूरा करने से नहीं रोक सकती। उन्होंने साफ संदेश दिया कि जनहित ही हमारे लिए सर्वोपरी है, जनता से मिलने से हमें कोई नहीं रोक सकता। दरअसल, सीएम डॉ. मोहन जब मनेर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए जाने वाले थे, उससे पहले ही विपक्ष ने हेलीपैड और सभा स्थल पहुंच मार्ग को खोद दिया। विपक्ष ने उनकी जनसभा और रोड शो रोकने के लिए षड्यंत्र किया। लेकिन, मध्यप्रदेश के मुखिया ने भी स्पष्ट कर दिया कि चाहे जो हो जाए, वे जनता से संवाद जरूर करेंगे। तमाम बाधाओं के बाद भी सीएम डॉ. मोहन यादव मनेर में जनसभा करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैं आपसे मिलने आ रहा था, तो रास्ते खोद दिए-हेलीपैड खोद दिया। लेकिन, मैं कहता हूं कि चाहे जो करो, मैं जनता से मिलने के लिए जान की बाजी लगाकर आने को तैयार हूं।

गौरतलब है कि, सीएम डॉ. मोहन ने आज पटना जिले की बांकीपुर विधानसभा में प्रत्याशी नितिन नबीन, मनेर विधानसभा में जितेंद्र यादव और मधेपुरा विधानसभा में कविता साह के समर्थन में जनता से वोट की अपील करने पहुंचे। उनके रोड शो में जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। सीएम डॉ. यादव की सभाओं का जनता पर सकारात्मक प्रभाव दिखाई भी दे रहा है। वे बिहार का लगातार दौरा कर रहे हैं। इसके पूर्व भी कई बार जनसभा और रोड़ शो करने पहुंचे हैं। उन्होंने जनता से कहा है कि केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ही उनके सपनों को साकार कर सकती है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज वक्त बदलाव करने के लिए चुनौती दे रहा। हम चुनाव के आखिरी दौर में आ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व में अलग पहचान बन रही है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री देश के लिए लड़ाई लड़ते हैं वो अद्भुत है। वे धर्म की लड़ाई लड़ रहे हैं। वे गरीबी से लड़कर निकले और तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। मेरे परिवार में भी कोई सांसद नहीं, विधायक नहीं, मंत्री का तो सवाल ही नहीं और मुख्यमंत्री तो सोच भी नहीं सकते। लेकिन, ये बीजेपी और एनडीए ही है, जिसने आपके बीच के इस गोपाल को मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं आपसे मिलने आ रहा था, तो रास्ते खोद दिए-हेलीपैड खोद दिया। लेकिन, मैं कहता हूं कि चाहे जो करो, मैं जनता से मिलने के लिए जान की बाजी लगाकर आने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि चुनाव की घड़ी रुकती नहीं है, ये लगातार चलती है। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि एनडीए प्रत्याशियों की जिताइए। इस चुनाव में एनडीए की जोरदार जीत होगी।

विपक्ष ने की इतनी बड़ी साजिश

बता दें, एनडीए की लोकप्रियता से महागठबंधन घबरा गया है। विपक्ष जानता है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए विपक्षी पार्टी के द्वारा हेलीपैड और रास्ते खोद दिए गए, ताकि सीएम डॉ. मोहन उनके बीच न पहुंच सकें। लेकिन, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी ठान लिया था कि आज चाहे हो जाए, वे मनेर जाकर रहेंगे। वे वहां पहुंचे और जनता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां कभी कुछ नहीं करेंगी, केवल एनडीए ही आम जनता और अपने कार्यकताओं का ख्याल रखती है।

शराब पीकर युवक पर आया वीरू का भूत, टंकी पर चढ़कर की जमकर नौटंकी

(जीएनएस)।

जयपुर में एक शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शराब के नशे में एकदम शोले फिल्म के वीरू की तरह व्यवहार करने लगा। दरअसल शख्स नशे के हाल में 100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया और जमकर हंगामा किया। यह शहर के लोहा मंडी इलाके की घटना है, जहां एक दिन पहले ही डंपर हादसा हुआ है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग उस पर काफी रिएक्शन भी दे रहे हैं।

शराब के नशे में धुत यह युवक 100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया और ऊपर से ही कूदने की धमकी देने लगा। इस घटना ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। हालांकि, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मिलकर युवक को सुरक्षित नीचे उतार दिया। युवक टावर पर चढ़कर बार-बार कूदकर जान देने की धमकी दे रहा था।

यह मामला जयपुर के लोहा मंडी क्षेत्र का है। इसी इलाके में एक दिन पहले डंपर हादसे में 14 लोगों की मौत हुई थी। अचानक एक शख्स टावर पर चढ़ गया और वहां से कूदने की धमकी देने लगा। यह देखकर आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे काफी समझाया-बुझाया और किसी तरह रोके रखा।

थोड़ी देर में पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने पहुंचकर उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि युवक की पहचान सुरेश चौधरी उर्फ. 'लंबू' नाम का युवक टोंक जिले के निवाई के निवासी के तौर पर है। पुलिस ने बताया कि वह शराब के नशे में टावर पर चढ़ गया था और काफी हंगामा किया। फिलहाल उससे पूछताछ चल रही है और जरूरी सहायता भी दी गई है। हाइड्रॉलिक क्रेन की मदद से युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया है। इस घटना के बाद इलाके में काफी देर तक जाम लगा रहा और स्थानीय लोग युवक की इस हरकत पर तरह-तरह की चर्चा करते नजर आए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, IGRS, सीएम हेल्पलाइन, आगामी त्योहारों की तैयारियों, धान खरीद और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की।

(जीएनएस)।

उ.प्र. सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, क्क्ष्ह्म, सीएम हेल्पलाइन, आगामी त्योहारों की तैयारियों, धान खरीद और स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्पन्न इस बैठक में सभी मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और शासन स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा, देव दीपावली, गुरु नानक जयंती, ददरी मेला (बलिया) और गढ़मुक्तेश्वर मेला (हापुड़) जैसे आयोजनों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

आगामी पर्व-त्योहारों और मेलों के अवसर पर प्रदेश में 'स्वच्छता, सुरक्षा और सतर्कता' सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यह केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना का कार्य है। प्रत्येक श्रद्धालु की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना हर अधिकारी का दायित्व है।

स्नान घाटों, मेलों और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर अराजक या अवांछनीय तत्वों की उपस्थिति किसी भी दशा में न होने पाए। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि माहौल पूर्णतः शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धाभाव से भरा रहेः #वढउट योगी आदित्यनाथ

पर्व-त्योहारों पर लाखों श्रद्धालु घाटों और मेलों में पहुंचते हैं, ऐसे में भीड़ प्रबन्धन, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबन्द होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। घाटों पर पर्याप्त प्रकाश, फ्लोटिंग बैरियर, सीसीटीवी कैमरे, स्वास्थ्य उपकेन्द्र, मोबाइल टॉयलेट, खोया-पाया केन्द्र और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं।

नदियों का जलस्तर अभी ऊंचा है और प्रवाह तेज है, इसलिए स्नान घाटों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। रउफ्त्र्र और ठउफ्त्र्र की सक्रिय तैनाती की जाए। बिना लाइफ जैकेट के कोई भी नाविक या पर्यटक बोटिंग न करेः #वढउट योगी आदित्यनाथ

काशी में देव दीपावली, अयोध्या, प्रयागराज, हापुड़, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बदायूं और बलिया जैसे जिलों में सर्वाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबन्द कर ली जाएं। संवेदनशील स्थलों पर ड्यूटी के दौरान 'रील' बनाने वाले पुलिसकर्मियों की तैनाती कतई न की जाए, ताकि जनसेवा के कार्य में अनुशासन और मयार्दा बनी रहेः #वढउट योगी आदित्यनाथ

धान खरीद की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रहे और किसानों को असुविधा न हो। किसी भी स्तर पर बिचौलियों की भूमिका स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारी खाद एवं उन्नत बीजों की पर्याप्त उपलब्धता हर जनपद में सुनिश्चित करें। हाल की वर्षा से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वेक्षण कर बिना विलम्ब क्षतिपूर्ति का भुगतान नियमानुसार कराया जाए। किसानों को मुआवजे के लिए किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिएः #वढउट योगी आदित्यनाथ

अवैध खनन को लेकर विशेष टीम गठित कर औचक निरीक्षण कराए जाएं। यदि किसी भी क्षेत्र में अनियमितता पायी गई, तो सम्बन्धित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

जिलाधिकारी स्वयं निराश्रित गो-आश्रय स्थलों का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक गोवंश को चारा-पानी और चिकित्सा की समुचित सुविधा मिले। आशा, आंगनबाड़ी, रसोइया तथा मानदेय पर कार्यरत कर्मियों को हर माह समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाएः #वढउट योगी आदित्यनाथ

'विकसित उत्तर प्रदेश@2047' अभियान को लेकर अब तक प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 72 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। जौनपुर, गाजीपुर, हरदोई, प्रतापगढ़, बिजनौर, गोरखपुर, बरेली, सोनभद्र और गोण्डा सहित कई जिलों से लोगों ने विकास के उपयोगी विचार साझा किए हैं।

इस अभियान को जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश के विकास का रोडमैप जनता के सुझावों से और सशक्त बनेः #वढउट योगी आदित्यनाथ

बिहार चुनाव के बीच क्यों होने लगी राहुल गांधी की शादी की चर्चा? किसने कहां- 'मैं तो विवाह में जरूर जाऊंगा'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का पहला चरण अब बस कुछ ही घंटे दूर है। मंगलवार (04 नवंबर) शाम पांच बजे पहले चरण का चुनाव प्रचार का शोर थम गया। बिहार की सियासत के गलियारों में एक नया और चटपटा मुद्दा तैरने लगा राहुल गांधी की शादी। दिलचस्प बात ये है कि इस बार यह चर्चा किसी इंटरव्यू से नहीं, बल्कि बिहार के चुनावी मंच से शुरू हुई।

खड़गे की 'बेटे की शादी' वाली टिप्पणी से शुरू हुआ बवाल

दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा था, "मोदी जी बिहार में ऐसे घूम रहे हैं, जैसे उनके बेटे की शादी हो।" उनका इशारा भाजपा के चुनाव प्रचार के तेवरों की ओर था, लेकिन इस बयान के अगले ही दिन राजनीति में इसका मजेदार ट्विस्ट देखने को मिला।

गिरिराज सिंह का पलटवार- 'कांग्रेस युवराज की शादी हुई तो मैं जरूर आऊंगा'

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने खड़गे के इस बयान पर चुटकी लेते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, "खड़गे जी, कांग्रेस के युवराज की भी अगर कभी शादी होती है तो उसमें जरूर आएंगे।"

उन्होंने यह पोस्ट खड़गे के भाषण की क्लिप के साथ साझा की। गिरिराज सिंह का यह बयान मजाकिया लहजे में था, लेकिन चुनावी माहौल में इसने सियासी हलचल मचा दी।

'कांग्रेस युवराज' पर इशारा-राहुल गांधी पर निशाना

गिरिराज सिंह की टिप्पणी पर सबकी नजरें सीधे राहुल गांधी की ओर चली गईं, क्योंकि राजनीतिक हलकों में अक्सर उन्हें 'कांग्रेस युवराज' कहकर संबोधित किया जाता है। राहुल गांधी की शादी को लेकर पहले भी सोशल मीडिया पर मीम्स और जोक बनते रहे हैं, लेकिन इस बार चुनावी मंच से आई यह बात सुर्खियों में आ गई।

खड़गे बोले- '20 साल की सरकार, फिर भी पलायन नहीं रुका'

खड़गे ने कहा कि नीतीश कुमार नौ बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन राज्य की तस्वीर नहीं बदली। न रोजगार मिला, न गरीबी घटी, और न ही कानून व्यवस्था सुधरी। उन्होंने मोदी-शाह पर भी हमला बोलते हुए पूछा, "जब 20 साल से बिहार में आपकी ही सरकार है, तो फिर 'जंगलराज' खत्म क्यों नहीं हुआ?"

एग्जिट पोल पर रोक, पर सियासी बयानबाजी जारी

हालांकि पहले चरण के प्रचार के साथ चुनाव आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक अब किसी भी ओपिनियन पोल या सर्वे के नतीजे दिखाने पर रोक लग गई है, लेकिन नेताओं के बयान चुनावी माहौल को गर्म बनाए हुए हैं।

राहुल गांधी की शादी से जुड़ी यह चर्चा अब चुनावी मुद्दा तो नहीं, लेकिन बिहार के पॉलिटिकल पिच पर यह "चुनावी मसाला" बन चुकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि अगले चरण के प्रचार में नेता इस बहस को कितना आगे ले जाते हैं।

भारतीय सिखों की पाकिस्तान में एंट्री! अब क्या होने वाला है कुछ बड़ा?

(जीएनएस)।

भारत-पाकिस्तान के बीच मई(ऑपरेशन सिंदूर- 7 से 10 के दरमियान) में हुए घातक संघर्ष के बाद पहली बार बड़ी संख्या में सिख तीर्थयात्री वाघा-अटारी सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचे।

मंगलवार (4 नवंबर 2025) को दर्जनों तीर्थयात्रियों ने सीमा क्रॉस की, जहां पाकिस्तानी अधिकारियों ने उनका फूलमालाओं से स्वागत किया और गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। यह यात्रा गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती के 10 दिवसीय उत्सव के लिए है, जो अंतर-धार्मिक सद्भाव का प्रतीक बनी हुई है।

मई के बाद पहली : तनाव के बीच धार्मिक यात्रा

7 से 10 मई 2025 में (1999) के बाद सबसे खराब झड़पों के दौरान मिसाइल, ड्रोन और तोपखाने के हमलों में 70 से अधिक लोग मारे गए थे। इसके बाद दोनों परमाणु हथियार संपन्न देशों के बीच वाघा-अटारी सीमा- जो एकमात्र सक्रिय स्थलीय मार्ग है- सामान्य यातायात के लिए बंद कर दी गई। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद पर पहलगाम हमले (22 अप्रैल 2025) का समर्थन करने का आरोप लगाया था, जिसका पाकिस्तान ने खंडन किया।

फिर भी, पाकिस्तान उच्चायोग ने नई दिल्ली में पिछले सप्ताह घोषणा की कि गुरु नानक जयंती के लिए 2,100 से अधिक भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए गए हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) की ओर से आयोजित यह यात्रा 4-13 नवंबर तक चलेगी। मंगलवार सुबह भारतीय पक्ष पर तीर्थयात्री कतार में खड़े दिखे- कुछ सामान सिर पर लादे, जबकि सीमा सुरक्षा बल (BSF) निगरानी कर रहा था। एएफपी के पत्रकारों ने पाकिस्तानी पक्ष पर दर्जनों तीर्थयात्रियों को प्रवेश करते देखा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीब 1,700 तीर्थयात्री सीमा पार कर रहे हैं, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

ननकाना साहिब से करतारपुर तक

तीर्थयात्री बुधवार (5 नवंबर 2025) को लाहौर से करीब 80 किमी पश्चिम स्थित ननकाना साहिब गुरु नानक देव जी के जन्मस्थान- में एकत्र होंगे। यहां मुख्य समारोह होगा, जिसमें पाकिस्तान के संघीय और प्रांतीय मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके बाद वे गुरुद्वारा पंजा साहिब (हसन अब्दाल), करतारपुर (जहां गुरु जी का अंतिम संस्कार हुआ) समेत पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अन्य पवित्र गुरुद्वारों का दर्शन करेंगे। यात्रा 13 नवंबर को समाप्त होकर भारत लौटेंगे।

पाकिस्तान के धार्मिक मामलों एवं अंतरधार्मिक सद्भाव मंत्रालय और एवाक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ETPB) के तहत आयोजित यह उत्सव सिखों की आध्यात्मिक विरासत को जोड़ता है। उच्चायोग ने इसे 'अंतर-धार्मिक और अंतर-सांस्कृतिक सद्भाव' बढ़ाने का प्रयास बताया। 1 नवंबर को पाकिस्तानी अखबारों ने रिपोर्ट किया कि सरकार ने 'चुनिंदा' समूहों को यात्रा की अनुमति दी है।

अभी बंद, लेकिन उम्मीद बरकरार

2019 में खोले गए वीजा-मुक्त करतारपुर कॉरिडोर- जो सिखों को मुख्य सीमा पार किए बिना गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने की सुविधा देता है- मई संघर्ष के बाद बंद है। दिल्ली मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने केंद्र सरकार की अनुमति पर आभार जताया, कहा कि यह गुरु नानक जी के प्रति सम्मान दशार्ता है। SGPC ने तीर्थयात्रियों को वैध दस्तावेज, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी।